खाटू चलिए | By Vijay Chouhan- Akshita Rajput

चढ़ने लगा है श्याम का सुरूर
दर्शन को दिल हुआ मजबूर
खाटू चलिए चल खाटू चलिए
शीश के दानी बड़ा मशहूर
हम पे करेंगे कृपा ज़रूर
खाटू चलिए चल खाटू चलिए
अधूरा रहूं तुम बिन सांवरे
संवर जाऊं दर पर जब आऊं रे
ये जीवन लम्बिया लम्बिया रे
कटे तेरे संगिया संगिया रे

बाज रहा कलयुग में डंका श्याम की रेहमत का
दान सभी को मिल जाता है अपनी ज़रूरत का
खाली ना होते उसके ख़ज़ाने
भक्तों की आँखों में मन की बात जाने
साथी हो हमारे तुम सांवरे
अर्ज़ी यही मैं दोहराऊं रे
ये जीवन लम्बिया लम्बिया रे
कटे तेरे संगिया संगिया रे

चमका दो मैं भी हूँ तेरे आँगन का तारा
सौंप दिया तुझको भी मैंने ये जीवन सारा
तुमसे गुज़ारा मेरा तीन बाण धारी
तुमसे ना जीत पाए ग़म की अंधियारी
इतना मैं तुझ में खो जाऊं रे
सब भूल कर बस ये ही गाउँ रे
ये जीवन लम्बिया लम्बिया रे
कटे तेरे संगिया संगिया रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%8f-by-vijay-chouhan-akshita-rajput/